

---

आदर्श प्रश्न- पत्र - 4  
संकलित परीक्षा - I  
विषय - हिंदी 'अ'  
कक्षा - नवमी

---

निर्धारित समय: 3 घण्टे

अधिकतम अंक: 90

---

खंड-क  
(अपठित गद्यांश)

1. (क) (iii) उपर्युक्त दोनों  
(ख) (i) भारत आने का जमीनी मार्ग मुश्किल और खर्चीला था  
(ग) (ii) क्रिस्टोफर कोलंबस ने  
(घ) (iv) अमेरिका  
(ङ) (iii) भारत की खोज
2. (क) (iii) उपर्युक्त दोनों  
(ख) (i) क्योंकि उनका जीवन तथा बातें बहुत अच्छी थी  
(ग) (ii) ईश्वर एक है  
(घ) (iv) सभी धर्म एक ही हैं जो सत्य की शिक्षा देते हैं  
(ङ) (iii) रामकृष्ण परमहंस
3. (क) (i) पहाड़ों को  
(ख) (i) समझौते की जिंदगी  
(ग) (ii) उलाहना देने का  
(घ) (iii) कमजोर व्यक्ति बदले की भावना रखता है जबकि सक्षम आगे बढ़ता है  
(ङ) (i) युद्ध को प्रेम बल पर जीतना चाहिये
4. (क) (iii) देश के बलिदानी  
(ख) (i) मतवाले बलिदानियों को  
(ग) (ii) बलिदानियों के संघर्ष के कारण  
(घ) (iv) आजादी की आग को  
(ङ) (ii) बलिदानी वीरों के आगे

खण्ड - ख  
(व्याकरण)

5. (क) अनन्य, अनपढ़  
(ख) सुगंध, सुरक्षित  
(ग) भरपूर, भरपेट  
(घ) सरपंच, सरताज |
-

- 
6. (क) रोज-रोज़।  
(ख) आचार और विचार।  
(ग) दुष्ट आत्मा।  
(घ) आठ अध्यायों का समूह।
7. (क) वाक्य के दो मुख्य अंग हैं: (1) उद्देश्य (2) विधेय।  
(ख) जिन वाक्यों में वक्ता को क्रिया संपन्न होने में संदेह हों, वे संदेहवाचक वाक्य कहलाते हैं। वक्ता संदेहार्थी वृत्ति का प्रयोग करता है।  
(ग) जिन वाक्यों से किसी कार्य के निषेधका बोध होता है, उन्हें निषेधवाचक वाक्य कहते हैं। इनसे किसी बात या कार्य के ना होने या ना करने का भाव प्रकट होता है। इनमें कथन का निषेध किया जाता है।
8. (क) श्लेष अलंकार क्योंकि पंक्ति में पानी के दो अर्थ व्यक्त होते हैं।  
(ख) 'भ' वर्ण की आवृत्ति के कारण अनुप्रास अलंकार है।  
(ग) उपमा अलंकार है क्योंकि इसमें हृदय को नीलगगन की उपमा दी गई है।  
(घ) मानवीकरण अलंकार है क्योंकि इसमें निर्जीव उषा पर मानवीय क्रिया का आरोपण किया गया है।

#### खण्ड - ग

##### (पाठ्य-पुस्तक)

9. (क) सोए हुए पक्षी का प्रयोग सालिम अली के लिए हुआ है। सालिम अली ने कहा था कि लोग पक्षियों को आदमी की नजर से देखना चाहते हैं।  
(ख) पक्षियों को मनुष्य की नजर से देखने को सालिम लोगों की भूल मानते थे। वे जंगलों, पहाड़ों, झरनों और आबशारों को सालिम अली प्रकृति की नजर से देखने को उचित मानते हैं।  
(ग) 'आबशार' का अभिप्राय झरना है।
10. (क) कांजीहौस में कैद पशुओं की हाजिरी कैद पशुओं की संख्या, उनके विभिन्न आवश्यकताओं की पड़ताल जिससे उनके खाने-पीने का इंतजाम उसके अनुसार किया जा सके, पशुओं के व्यवहार का आकलन तथा सभी कैद पशुओं की उपस्थिति सुनिश्चित करने के लिए ली जाती होगी।  
(ख) प्राचीन समय में नेपाल से तिब्बत जाने का मार्ग ही मुख्य मार्ग था। अतः तिब्बत से सभी देशों के समस्त संबंध (व्यापारिक, राजनैतिक, सैनिक) का निर्वाह इसी दुर्गम मार्ग से होता था। सुरक्षा के दृष्टिकोण से तत्कालीन सरकार ने इस रास्ते पर जगह-जगह फौजी चौकियाँ और किले स्थापित किए थे जो अब खंडहरों में तब्दील हो गए हैं।  
(ग) अस्मिता से तात्पर्य है पहचान अर्थात् हम भारतीयों की अपनी सांस्कृतिक पहचान है। जिसका निर्माण हमारी विभिन्न संस्कृतियों के योग से हुआ है। इस मिश्रित सांस्कृतिक रूप को ही साहित्य में सांस्कृतिक अस्मिता कहा गया है।  
(घ) गया बैलोंको पकड़ने के लिए घबराहट में बाहर निकला। बैलों को अपनी पहुँच से बाहर होते देख ने शोर मचाया तथा कुछ आदमियों को साथ ले जाने के लिए गाँव में वापस आया। इस मौके का फायदा हीरा-मोती ने उठाया और वह बहुत दूर निकल गए। अतः वे अब गया की पहुँच से दूर हो गए थे।
-

---

(ड) सालिम अली को पक्षी प्रेमी बनाने में सबसे बड़ा हाथ उस घटना का है। जब बचपन के दिनों में, उनकी एयरगन से नील कंठ की एक गौरैया घायल होकर जमीन पर गिरी। घायल गौरैया को देखकर उनका मन व्यथा से द्रवित हो उठा। अतः उसकी सेवा करते हुए वे उसके बारे में बहुत कुछ जान गए। आगे चलकर उसी गौरैया ने सारी जिंदगी सालिम अली को खोज के नए-नए रास्ते दिखाए और उन्हें पक्षी विज्ञानी बना कर, पक्षी जगत के उच्च शिखर पर पहुँचाया।

11.(क) दावानल का अर्थ है जंगल में अपने आप लगने वाली आग।

(ख) क्योंकि वह ब्रिटिश शासन के अधीन कूकना भूल गयी है। उसे भारतीयों की परतंत्रता के कष्ट का आभास है। अतः वह कूकती नहीं हूकती है।

(ग) क्योंकि कोयल अर्द्धरात्रि में कूक रही है। इस समय जो जैसा भी हो सोया होता है। इस प्रहर में असमय कूक कर कोयल ने कवि के दुख को बढ़ा दिया है। अतः कवि ने उसे बावली कहकर संबोधित किया है।

12.(क) कबीर ने उपर्युक्त पंक्ति के माध्यम से दिखावटी भक्ति का विरोध करते हुए कहा है कि मनुष्य ईश्वर को देवालय, काबा, काशी, कैलाश में ढूँढता फिरता है परन्तु वह उन्हें प्राप्त नहीं कर पाता क्योंकि ईश्वर का वास तो प्रत्येक प्राणी की स्वाँस में है। मंदिर, मस्जिद, गुरुद्वारों में नहीं। यदि कोई व्यक्ति सच्चे मन से ईश्वर को प्राप्त करना चाहे तो ईश्वर की प्राप्ति पलभर में सहज ही हो जाती है।

(ख) उपर्युक्त पंक्ति में ज्ञानी का अभिप्राय है मनुष्य जो धार्मिक भेदभाव को नहीं मानते। उनकी नजर में सब मनुष्य प्रभु की रचना है और सब के इष्ट एक है। आवश्यकता है स्वयं को पहचानने की अर्थात् आत्मज्ञान की क्योंकि प्रत्येक आत्मा में परमात्मा बसता है। अतः आत्मज्ञान होने पर भगवान मंदिर-मस्जिद में नहीं स्वयं आपको हृदय में मिलेंगे।

(ग) सखी ने गोपी से श्रीकृष्ण के उस रूप को धारण करने को कहा था जिसमें श्रीकृष्ण सिर पर मोर मुकुट, गले में कन्जों की माला, तन पर पीले वस्त्र तथा हाथ में लाठी लेकर वन-वन गायों को चराते फिरते हैं। परन्तु गोपी उनकी मुरली को अपने होठों से लगाने को मना कर देती है क्योंकि वह मुरली को ही कृष्ण वियोग का कारण मानती है।

(घ) कवि ने हथकड़ियों को गहन कहा है क्योंकि कवि चोर, डकैत या अन्य कोई जघन्य अपराधी नहीं। अपितु वह देश की स्वतंत्रता के लिए तत्कालीन शासन से संघर्षरत एक वीर सिपाही है जो अपने देश के लिए अपना सर्वस्व लुटाने को तटपर है। अपनी मातृभूमि की स्वतंत्रता के लिए आवाज उठाना और उसके लिए जेल जाना अपमान नहीं सम्मान की बात है। अतः उसने हथकड़ियाँ पहन रखी है उन्हें गहनों की संज्ञा दी है।

(ड) रोमांचित होने का अभिप्राय है प्रसन्नता से अभिभूत हो जाना। धरती प्रकृति में चारों ओर बिखरा सौंदर्य देख प्रसन्न हो उठी है। ऐसे में गेहूँ और जौ से निकली बालियाँ तथा उनके खड़े नरम रोएँ धरती के रोम जैसे दिखते हैं। इसे देखकर ऐसा प्रतीत होता है कि धरती अपना रोमांच प्रकट कर रही हो।

13. शिक्षा बच्चों का जन्मसिद्ध अधिकार है। यह बात लेखिका को अपने पारिवारिक वातावरण से पता चल चुकी थी। उसकी पाँचों बहनों ने अपनी इच्छानुसार पढ़ाई की। लेखिका मृदुला गर्ग को अपने बच्चों की शिक्षा कर्नाटक के बागनकोट में रहना पड़ा वहाँ उनके बच्चों की शिक्षा हेतु उचित प्रबन्ध नहीं था। उन्होंने वहाँ के कैथोलिक बिशप से प्राइमरी स्कूल खोलने का अनुरोध किया। वहाँ ईसाइयों की कम जनसंख्या होने का हवाला

---

---

देकर बिशप इसके लिए तैयार नहीं हुए, फिर भी लेखिका ने हार नहीं मानी। उन्होंने वहाँ के स्थानीय लोगों तथा समृद्ध लोगो की मदद से एक प्राइमरी स्कूल खोला, जिसमें अंग्रेजी-हिंदी-कन्नड़ तीन भाषाएँ पढ़ाई जाती थी। लेखिका ने इसे मान्यता भी दिलवाई, जिससे स्थानीय बच्चों को शिक्षा के लिए दूर न जाना पड़े।

#### खण्ड-घ

#### (‘लेखन’)

14.

#### “प्लास्टिक: अनचाही ज़रूरत”

आप जहाँ दृष्टि डाले वहाँ प्लास्टिक का अस्तित्व दिखाई दे जाएगा। हमारे घरों से लेकर आधुनिक प्रयोगशालाओं तक प्लास्टिक की उपस्थिति विद्यमान है। यह सस्ता और ठिकाऊ होता है। धूप, सर्दी तथा गर्मी का इस पर कोई प्रभाव नहीं होता है। यह हल्का और किफायती भी होता है। यही कारण है कि लोगों में इसकी माँग बढ़ी है। यह लंबे समय तक चलता है। परन्तु इस कारण प्लास्टिक कचरे में भी तेज़ी से वृद्धि हो रही है। यह वृद्धि पृथ्वी के वातावरण और उसके परिवेश को दूषित कर रही। यदि जल्द ही इसका निपटारा नहीं किया गया, तो एक दिन यह हमारी ग्रह को निगलने का मुख्य दोषित बन जाएगा। प्लास्टिक जहाँ रहता है, वहाँ हर स्थान पर प्लास्टिक मौजूदगी और उससे होने वाले हानिकारक प्रभाव प्लास्टिक प्रदूषण कहलाते हैं। प्लास्टिक ऐसा पदार्थ है, जो सरलता से नष्ट नहीं होता है। इसके मिट्टी में होने से पौधे पनप नहीं पाते हैं, इसे यदि नष्ट करके जलाया जाए, तो हानिकारक गैसों निकलती है, जो वातावरण के लिए खराब है। आज चारों ओर प्लास्टिक का बड़े पैमाने पर प्रयोग हो रहा है। इसका दुष्परिणाम यह है कि हर जगह प्लास्टिक का कचरा फैला हुआ है। बड़े-बड़े महानगरों से लेकर पर्वतीय प्रदेश तक में प्लास्टिक ही प्लास्टिक नज़र आ रहा है।

15. ग्रेसिया विद्यालय,

राजस्थान

दिनांक: 25 अक्टूबर 2015

पूज्य पिता जी,

सादर प्रणाम |

आपको यह जानकर प्रसन्नता होगी कि मैं दसवी कक्षा में अच्छे अंक प्राप्त करके पास हो गया हूँ। मैंने 80 प्रतिशत अंक प्राप्त किए हैं। अब मुझे इग्यारवी कक्षा की पुस्तकें, कॉपियाँ आदि खरीदनी हैं और नए कपड़े भी सिलवाने हैं। इनके लिए पैसों की जरूरत है। इसके अतिरिक्त, विद्यालय ने यह निर्णय लिया है कि नयी कक्षाओं की पढ़ाई आरंभ करने से शैक्षणिक दूर बनाया जाए। इसके लिए, श्रीनगर में कटरा स्थान निश्चित हुआ है। इस सारे कार्यक्रम में लगभग दो हजार रुपये खर्च होंगे। अतः आपसे प्रार्थना है कि आपशीघ्र ही पर्वतीय यात्रा की अनुमति के साथ पंद्रह सौ रुपये भेजकर अनुगृहित करें। माताजी को प्रणाम। बहनश्रद्धा व छोटे भाई श्रवण को प्यार।

आपका आज्ञाकारी पुत्र

आदर्श

16.

#### ‘मतदान केंद्र का दृश्य’

फरवरी का अंतिम सप्ताह और दिल्ली में हल्की-हल्की ठंड का मौसम। जनकपुरी वार्ड के लिए बनाया गया मतदान केंद्र। चारों तरफ गहमागहमी का वातावरण था। यह मतदान केंद्र स्थानीय राजकीय विद्यालय के भवन

---

में बनाया गया। अंदर 10-12 सरकारी कर्मचारी मतदान पूर्व की तैयारी में जुटे थे। बाहर काफी पुलिसकर्मी सुरक्षा व्यवस्था में व्यस्त थे। मतदान केंद्र से लगभग 200 मीटर की दूरी पर भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस, आप तथा अन्य दलों द्वारा अस्थाई कार्यालय बनाए गए थे। ये अस्थाई कार्यालय चुनाव प्रसार के एक अभिन्न अंग का कार्य कर रहे थे। सारा इलाका कार्यकर्ताओं और चुनाव सामग्री से पता हुआ था। मतदान आठ बजे आरंभ हुआ। मतदाताओं को आता देख प्रत्येक दल का कार्यकर्ता उसे अपने कार्यकाल की ओर लाने का प्रयास करता और उम्मीद करता कि मतदाता वही से अस्थायी मत पर्ची लेकर मतदान केंद्र जाएँ। लोगो की भीड़ बढ़ने लगी थी। मतदान केंद्र के बाहर लाइने लगनी आरंभ हो गई थी। लोग अपनी बारी की प्रतीक्षा बड़ी बेचैनी से कर रहे थे। जनता में इन चुनावों को लेकर काफी उत्साह नजर आ रहा था। चूँकि आज का दिन अवकाश के रूप में घोषित था, अतः मतदान करने के बाद बाहर उनके घरों से ला रहे थे तथा मतदान के बाद वापस छोड़ने की व्यवस्था भी थी। अचानक किसी बात पर दो कार्यकर्ता उलझ गए परन्तु पुलिस की मदद से बात सँभल गई। दोपहर हो चली थी। मगर जैसे-जैसे घड़ी की सुई आगे सरकती, उनकी सक्रियता भी बढ़ती चली जा रही थी।

---